प्रेस विज्ञप्ति

फिल्म प्रभाग
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
मुंबई- 400 026

दिनांक : 24 सितंबर 2021

"कालातीत रे" - सत्यजीत रे जन्म शताब्दी समारोह में फिल्म प्रभाग की नयी प्रस्तुति

सत्यजीत रे और उनकी उत्कृष्ट कलाकृतियों ने इतिहास के पन्नो पर एक अमिट निशान छोड़े हैं। रे के रचनात्मक, सौंदर्यशास्त्र और सामाजिक यथार्थवाद की बारीकियों के परिणामस्वरूप कई कालजयी कलाकृतिओं का निर्माण हुआ। मास्टर फिल्म निर्माता की यही असाधारण प्रतिभा को पुनः अनुभव करने के लिए, फिल्म प्रभाग एक आनलाईन फिल्मोत्सव "कालातीत रे" का आयोजन कर रहा है । "कालातीत रे" में सत्यजित रे निर्देशित एवं उनपर बनाई गयी नॉन-फिचर फिल्मों के विशेष पॅकेज का प्रसारण 3 दिनों के लिए 25 सितंबर से 27 सितंबर -2021 तक फिल्म प्रभाग की वेबसाइट पर किया जाएगा ।

'कालातीत रे' फिल्मोत्सव में फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा एक वेबिनार 'रे -विचार, प्रतिरुप एवं प्रतियुक्ता' के जरीए 'रे' के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालने का प्रयास किया जाएगा । वेबिनार में फिल्म इतिहासकार, समीक्षक और सिनेमा जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल होंगी। इनमें प्रमुख हैं, प्रसिद्ध चित्रकार और कार्टूनिस्ट देबाशीष देब, प्रख्यात फिलमेकर सांगनिक चटर्जी, फिल्म इतिहासकार और क्रिटिक अमृत गांगर एवं सत्यजित रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान के डीन अशोक विश्वनाथन। फिल्म प्रभाग, कोलकत्ता के निर्देशक जोशी जोसेफ वेबिनार का संचालन करेंगे ।

फिल्मोत्सव "कालातीत रे" में प्रसारित होने वाली फिल्मों में, नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर पर चित्रित वृत्तचित्र, मुंशी प्रेमचंद की लघु कथा पर आधारित एक टेलिव्हिजन फिल्म के साथ विख्यात फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल की बहुप्रशंसित बायोपिक "सत्यजीत रे" जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

इस फिल्मोत्सव में स्क्रीन होनेवाली फिल्में हैं -
रवींद्रनाथ टैगोर (निर्देशक-सत्यजित रे /54 मिनिट /1961) -सुप्रसिद्ध बंगाली व्यक्तित्त्व रविंद्रनाथ टागौर पर चित्रित यह फिल्म उनके साहित्य- संगीत- कविता के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालती हैं।

द इनर आय (सत्यजित रे /20 मिनिट/ 1972) -यह फिल्म सुप्रसिद्ध बंगाली चित्रकार बिनोद बिहारी मुखर्जी की जीवनी पर आधारित है | विश्व भारती विश्वविद्यालय में मुखर्जी अध्यापक थे, उन्होंने नेत्रहीन होने के बावजूद अपनी कलादृष्टी से भारतीय मॉडर्न कला में अपना योगदान दिया |

क्रिएटिव्ह आर्टीस्ट ऑफ इंडिया : सत्यजित रे (निर्देशक - बी.डी. गर्ग /14 मिनिट/1974) -यह सत्यजित रे पर बनाई गई पुरानी वृत्तचित्रों में से एक है, जो उनके फिल्म निर्माण की कला के बारे में चर्चा करती है।

सत्यजित रे (निर्देशक- श्याम बेनेगल /132 मिनिट /1985) -सुप्रसिद्ध निर्देशक श्याम बेनेगल ने सत्यजित रे के साथ लगभग दो वर्ष तक उनके साथ उनके कैरियर, फिल्म निर्माण की प्रेरणा एवं विचार के बारे चर्चा की, जिसके परिणाम-स्वरूप यह फिल्म प्रस्तुत है ।

Contd. on Pg. -2/....

सद्गती (निर्देशक- सत्यजित रे/52 मिनिट /1981) -ग्रामीण भारत की पार्श्वभूमी पर आधारित यह फिल्म, सुप्रसिद्ध लेखक मुन्शी प्रेमचंद की लघु कथा पर आधारित टेलिव्हिजन श्रृंखला हैं।

रे (निर्देशक –गौतम घोष /105 मिनिट /1999) -व्हेनिस फिल्म महोत्सव, 1999 में सराही गयी यह फिल्म सत्यजित रे की बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालती है।

सुकुमार रे (निर्देशक- सत्यजित रे /29 मिनिट /1987) -अपने पिता एवं जानेमाने लेखक सुकुमार रे की जन्म शताब्दी के मौके पर रे ने इस फिल्म का निर्माण किया था।

फेलुदा- रे डिटेक्टिव के 50 साल (निर्देशक- साग्निक चॅटर्जी /111 मिनिट /2019) -फेलु अर्थात प्रदोष चंद्र मित्तर नामक साहित्य के मशहूर कॅरेक्टर ने 2017 में पचास साल पूरे किए, इस अवसर पर बनाई यह फिल्म इस किरदार के अभी तक के सफर का जायजा लेती है।

इस फिल्मोत्सव के लिए फिल्म प्रभाग अपने फिल्म सहयोगी दूरदर्शन, पश्चिम बंगाल सरकार, रे सोसाइटी जैसे भागीदारों के अलावा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, फिल्म स्कूलों, फिल्म क्लबों, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से देश के हर कोने में रे के योगदान को पहुंचाने के लिए कृतज्ञ है ।

"भारतीय सिनेमा के कवि: सत्यजीत रे" को अनुभव करने तथा रे-युग के सदाबहार वृत्तचित्रों का आनंद लेने के लिए फिल्म प्रभाग की वेबसाइट यानी https://filmsdivision.org/ 'डॉक्यूमेंट्री ऑफ़ द वीक' पर इसका अनुसरण करें तथा अपने सभी दोस्तों और प्रियजनों के साथ इस फिल्मोत्सव को साझा करें ।

-फिल्म प्रभाग
022-23522252/ 09004035366
publicity@filmsdivision.org

****